

09/02/23

पत्रावली पेश हुई। बनील प्राचीनगण उपस्थित।  
 पत्रावली, पत्रावली पर उपस्थित दस्तावेज व न्याय  
 के सुसंगत प्रामाणिकता का अवलोकन किया गया। बिहल  
 पर मतन उपरांत प्रा. पत्र धारा 131/136 श्र-रघ.  
 अधि, 1956 साक्षित तम पर स्वीकार किया जाता है।  
 यह निर्णय सुले न्यायालय में सुनाया गया। विस्तृत  
 निर्णय पृथक से रचित करवाया जाकर शा. कि. किया  
 गया। वहसील दार, कि- रेलवाल को लहरीर जारी हो।  
 पत्रावली फैसल सुमार हो दर्ज नंबर से मम बिकर  
 परिचल दफ्तर ही।

09/02/23

उपलब्ध अधिकारी  
 साँधर लेख